ISSN: 2395-7852

International Journal of Advanced Research in Arts, Science, Engineering & Management

Volume 10, Issue 4, July 2023

INTERNATIONAL STANDARD SERIAL NUMBER INDIA

Impact Factor: 6.551

+91 9940572462 +91 9940572462 ijarasem@gmail.com www.ijarasem.com

International Journal of Advanced Research in Arts, Science, Engineering & Management (IJARASEM)

| ISSN: 2395-7852 | www.ijarasem.com | Impact Factor: 6.551 |Bimonthly, Peer Reviewed & Referred Journal|

| Volume 10, Issue 4, July 2023 |

भगतसिंह: स्वतंत्रता संग्राम के महानायक

डॉ. प्रियंका यादव

सहायक आचार्य , भूगोल विभाग, बाबू शोभाराम राजकीय कला महाविधालय, अलवर

सारांश:-

भगतसिंहकेवलएकनामनहींअपितुराष्ट्रीयनायकहैजिनकेमहानबलिदाननेभारतवर्षकीजनतामेंआजादीप्राप्तकरनेकेलिएएकक्रांतिकील हरपैदाकी।भगतसिंहकाजीवनसाढ़ेतेयीसवर्षसेभीकमकाथाजिसमेंउनकाराजनीतिकसामाजिकजीवनलगभगआठवर्षकाहीथा।लेकिन यहआठवर्षअस्सीवर्षोंसेभीअधिकमहत्वपूर्णऔरप्रभावपूर्णरहे।उपनिवेशवादविरोधीऔरउग्रराष्ट्रवादीकेरूपमेंभगतसिंहकीछविसंपूर्णन हीहैक्योंकिवहएकशहीदसेकहींअधिकथे।"इंकलाब"

केप्रतिउनकीगहरीप्रतिबद्धतानाकेवलराजनैतिकबल्किसामाजिकभीथीक्योंकिवहनकेवलभारतकोबंधनोंसेमुक्तकरानेकेलिएएकक्रांति चाहतेथेबल्किजाति,पंथ,धर्म,

अंधविश्वासकीसदियोंपुरानीभेदभावपूर्णप्रथाओंसेभीमुक्तिचाहतेथे।भगतसिंहसमूचेक्रांतिकारीआंदोलनकेवैचारिकरूपकासर्वोच्चप्रतीक थेइसलिएउनकीशहादतकेबादउन्हें "शहीदशिरोमणि" अर्थात "शहीद-ए-आजम" कादर्जादियागया।भगतसिंहकाबौद्धिकवैचारिकविकासइनआठवर्षोंमेंतूफानीगतिकेसाथ-

साथजितनीसमझदारीसेहुआवहभारतमेंहीनहींबल्किपूरीदुनियामेंदुर्लभहै।उनकेउच्चस्तरकेबौद्धिकवैचारिकविकासकीतुलनारूसीदा र्शनिकडोबरोलियोबोवसेकीजासकतीहैऔरलातिनीअमेरिकीक्रांतिकारीचेग्वेरासेजिनकाजीवनवलेखनभीभगतसिंहकेजीवनऔरलेखन सेकाफीमिलता-

जुलताहै।भगतसिंहउनराष्ट्रीयनायकोंमेंसेएकहैंजिन्हेंभारतीयसमाजकेदलितऔरधार्मिकअल्पसंख्यकभीसांप्रदायिकताऔरछुआछूतसंबं धीउनकेजुझारूविचारोंकेकारणअपनामहाननायकमानतेहैं।अगरगांधीजीस्वाधीनताआंदोलनमेंअहिंसकराजनीतिकेशिखरपुरुषहैतोभ गतसिंहकोजनआंदोलनवक्रांतिकारीराजनीतिकेसबसेमहाननायककेरूपमेंयादकियाजाताहै।

मुख्यबिंदु:-राष्ट्रीयनायक, क्रांतिकारीआंदोलन,शहीदशिरोमणि, शहीद-ए-आजम, बौद्धिकवैचारिकविकास, क्रांतिकारीराजनीति, जनआंदोलन।

परिचय:-

भगतसिंहकेसंदर्भमेंअद्वितीयव्यक्तित्वशब्दकाप्रयोगसटीकअर्थोंमेंकियाजासकताहै।भगतसिंहकेवलक्रांतिकारीदेशभक्तहीन हींबल्किएकअध्ययनशीलविचारक, दार्शनिक, चिंतक, लेखक, पत्रकारभीथे।भगतसिंहनेअपनीगगनचुंबीव्यक्तित्वसेब्रिटिशउपनिवेशवादीताकतकोहिलाकररखदियाथा।

ब्रिटिशशासनकीजड़ोंकोभगतसिंहनेअपनेक्रांतिकारीकामोंऔरआत्मसमर्पणसेगहराधक्कादियाथाऔरजनताकेहृदयमेंउस कोउखाड़फेंकनेकीतीव्रभावनाकोजन्मदियाथा।पूरेदेशमेंभगतसिंहकीलोकप्रियता,

महात्मागांधीसेकिसीभीतरहकमनहींथी।उनकीछविएकवीरदेशभक्तकीहै, [1-5]

जोमात्रसाढ़ेतेईसवर्षकीछोटीसीउम्रमेंदेशकेसम्मानवस्वतंत्रताकेलिएहंसते-हंसतेफांसीपरचढ़गया।

नौजवानभारतसभाकेगठनसेलेकरफांसीपरचढ़नेतकभगतसिंहकेमनमेंएकहीभावनाथीकिकैसेब्रिटिशसाम्राज्यवादकाअसली चेहराभारतकीजनताकेसामनेलाकरऔरउखाड़करउसकेप्रतिजनतामेंआक्रोशजगायाजाए,

जिससेराजनैतिकरूपसेजागृतहोकरलोगब्रिटिशशासनकोअपनीधरतीसेउखाड़फेंके।साथहीवेयहभीचाहतेथेकिगोरेकीजगहकालेशास कतकहीयहतब्दीलीसीमितनारहेवरनसच्चीसमता, न्याय, श्रमकेसहीमूल्यपरआधारितसोवियतसंघकीतरहहमारेदेशमेंभीएकसमाजवादीव्यवस्थाकानिर्माणहो।अपनेजीवनकोतोइसमहानलक्ष्य कीप्राप्तिकेलिएवेएकसाधनमात्रमानतेथे।उन्होंनेदेशमेंसाम्राज्यवादऔरउपनिवेशवादविरोधकीऐसीमशालजलाईजोउनकेजानेकेकईव र्षोंबादतकऔरप्रबलरूपसेजलतीरहीहै।

उद्देश्य:-

(1)भगतसिंहकीजीवनीकाअध्ययनकरना।

(2) भगतसिंहकेक्रांतिकारीवराजनीतिकजीवनकाअध्ययनकरना।

(3)भारतकेस्वतंत्रताआंदोलनमेंभगतसिंहकेयोगदानकाअध्ययनकरना।

भगतसिंहकेवंशकापरिचयवबचपन:

भगतसिंहकाजन्म 28 सितंबर 1907 मेंजिलालायलपुर (अबफैसलाबादपाकिस्तानमें) केगांवबावलीमेंहुआथा।भगतसिंहकेपितामहस्वर्गीयसरदारअर्जुनसिंहएकबड़ेजमीदारथेसरदारअर्जुनसिंहके 3 पुत्रथेसरदारकिशनसिंहसरदारअजीतसिंहऔरसरदारस्वर्णसिंहभगतसिंहकेपिताकानामकिशनसिंहऔरमाताजीकानामविद्यावतीथा।भगतसिंहकापरिवारएकआर्यसमाजीसिखपरिवारथाजिसकेपुरखोंकास्वतंत्रताकीभावनाकेप्रतिप्रतिबद्धताकालंबाइतिहासरहाहै।

भगतसिंहकेजन्मवर्ष 1907 मेंहीलालाबाकीदयालट्रथप्रसिद्धगीतपगड़ीसंभालजट्टाकीरचनाहुईसंयोगवशजिसदिनभगतसिंहकाजन्महुआउसीदिनउनकेपिताजीवचाचाकिशनसिंहअजीतसिंहऔरस्वर्णसिंहकीजेलसेरिहाईहुईइसीलिएभगतसिंहकीदादीजीजयकौरनेउन्हेंभागूवालाभाग्यवानकहाऔरउसकानामभगतसिंहरखदियागया।सरदारभगतसिंहकेचाचासरदारअजीतसिंहनेहीलालालाजपतरायकोराजनीतिक्षेत्रकीओरआकर्षितकियाथा।करतारसिंहसराभाभगतसिंहकेआदर्शनायकबनेजिनकाचित्रवहहमेशाअपनीजेबमेंरखतेथेकरतारसिंहसराभाको 20 सालकीकमउम्रमेंहीफांसीपरचढ़ादियागयाथाभगतसिंहपरकरतारसिंहसराभाऔरलालालाजपतरायकाअत्यधिकप्रभावरहा।

भगतसिंहजबलाहौरकेडीएवीस्कूलमेंपढ़ाईकररहेथेतभी 13 अप्रैल 1919 कोअमृतसरकेजलियांवालाबागमेंअंग्रेजोंनेभारतीयोंकाकत्लेआमकियाजिससेभगतसिंहकेबालमनपरगहरीचोटलगी।उनकामनइसअमानवीयकृत्यकोदेखकरदेशकोस्वतंत्रकरवानेकीसोचनेलगाभगतसिंहकीदादीजैककौरजबउनकीसगाईकीतैयारीकरनेलगीतबभगतसिंहएकपत्रलिखकरकिउनकाजीवनदेशकेलिएसमर्पितहैघरछोड़करचलेगएयहींसेभगतसिंहकेजीवनमेंएकतीखामोड़आया।यहींसेउनकेराजनीतिकजीवनकीशुरुआतहुई।

भगतसिंहकाक्रांतिकारीवराजनीतिकजीवन:

भगतसिंहएकमहानराजनीतिकविचारकथे। 1921 मेंअसहयोगआंदोलनकीअसफलताकेपश्चातबहुतसेनवयुवकजिनमेंभगतसिंहभीशामिलथे, गांधीजीकेबताएहुएमार्गकोछोड़करअपनेदेशकीप्राप्तिकेलिएदूसरामार्गढूंढनेलगेऔरपंजाबमें "बब्बरअकाली" नामकदलजोदेशकीस्वाधीनताकेलिएहिंसात्मकउपायोंकाप्रचारकरतेथे,केपथकीओरअग्रसरहुए।सरदारभगतसिंहराजनीतिकेबड़ेउत्साहीऔरअध्ययनशीलविद्यार्थीभीथे।[5-9]

भगतसिंहनेकहाथाकि "क्रांतिकामतलबकेवलखूनीलड़ाईहोअथवाव्यक्तित्वनिकालनानहीहैनाहीबमअथवापिस्तौलकाप्रयोगकरनाहीउसकाएकमात्रउद्देश्यहै। क्रांतिसेउनकाअभिप्रायकेवलउसअन्यायकोसमूलनष्टकरदेनाहैजिसकीभित्तिपरवर्तमानशासनप्रणालीकानिर्माणहुआहै।समाजकाप्रमुखअंगहोतेहुएभीकिसानअथवामजदूरोंकोउनकेप्राथमिकअधिकारसेभीवंचितरखाजारहाहैऔरउनकीगहरीकमाईकासाराधनवपूंजीकोनष्टकररहेहैं।देशकोक्रांतिकारीपरिवर्तनकीआवश्यकताहै।जोलोगइसबातकोमहसूसकरतेहैंउनकाकर्तव्यहैकिसाम्यवादीसिद्धांतोंपरसमाजकापुनर्निर्माणकरें"।

भगतसिंहकेराजनीतिकव्यक्तित्वकोसमझनेमेंगदरपार्टीऔर "किरती" पत्रिकासेउनकानजदीकीसंबंधसमझनाएकस्तरपरजरूरीहैऔरदूसरेस्तरपर 1924 मेंकानपुरमेंकुछमहीनेरहतेहुएगणेशशंकरविद्यार्थीकिमाध्यमसेमुजफ्फरअहमद,सत्यभक्त, राधामोहन, गोकुलजीवशौकतउस्मानीआदिकम्युनिस्टोंसेउनकासंपर्कबनना।इसआदान-प्रदानद्वाराअपनावैचारिकविकासकरनाभगतसिंहकेउनदिनोंकेकार्यकलापोंकाजरूरीहिस्साथा।

भगतसिंहब्रिटिशउपनिवेशवादकीकुटिलनीतिसेवाकिफथेऔरवेअपनेजीवनमेंशेषबचेअपनेसमयकाब्रिटिशउपनिवेशवादकीकुटिलनीतिकोप्रमाणितरुपमेंउखाड़नेमेंप्रयोगकरनाचाहतेथे।ब्रिटिशउपनिवेशवादकोउससमयभारतमेंसबसेअधिकखतराभगतसिंहकीउपस्थितिसेथा, जोकिएककुशलसंगठनकर्ताथे।साथहीउनकाराजनीतिकचिंतनभीबहुततेजीसेविकसितहोकरअधिकप्रखरबनरहाथा।

1917 कीरूसकीबोल्शेविकक्रांतिकेबाददुनियाभरकेसाम्राज्यवादीदेशअपनेअंतकोनजदीकदेखकरआतंकितथेऔरशस्त्रबलसेक्रांतिकारीप्रयासोंकोदबादेनाचाहतेथे।दूसरीओरभगतसिंहकेराजनीतिकजीवनपरभीरूसकीक्रांतिकाबहुतगहराप्रभावपड़ाथा।उससमयक्रांतिकारी

दलमेंमार्क्सवादीचिंतनकाप्रवेशहोचुकाथाऔरउनसबमेंभगतसिंहइसचिंतनकोआत्मसातकरनेवालेअग्रणीकार्यकर्ताथे,जोअपनेदूसरेसाथियोंकोभीइसचिंतनकीओरप्रेरितकररहेथे।

भगतसिंहकाप्रौढ़राजनीतिकचिंतनएकओरगदरपार्टीकीपरंपराकाअगलाविकासहैतोदूसरीओरदेशमेंकम्युनिस्टआंदोलनके विकासकेपहलेपड़ावकाक्षेत्रहै, जिसकेभगतसिंहस्वयंअभिन्नअंगथे।सरदारभगतसिंहकेजीवनमें 1926 से 1928 तककासमयविक्षोभकारीरहा।काकोरीषड्यंत्रकेसमेंचारअभियुक्तोंकोप्राणदंडतथाअन्यअभियुक्तोंकोदीर्घकारावासकादंडदियागया।भगतसिंहअपनेमित्रोंकीमृत्युकाबदलालेनेकेलिएउत्तेजितहोउठे।

1927 मेंउन्होंनेअपनेसाथियोंकीमृत्युकाबदलालेनेकाअसफलप्रयासकिया।उन्होंने "नौजवानभारतसभा" जोकिपंजाबकेयुवकोंकीएकप्रमुखराष्ट्रीयसंस्थाथी,
केसंगठनमेंप्रमुखभागलियातथाकाकोरीषड्यंत्रकेसमेंफांसीकीसजापानेवालेक्रांतिकारियोंकीयादमेंसार्वजनिकप्रदर्शनकरनेमेंभीउनका भारीहाथथा।नौजवानभारतसभाकीकार्यप्रणालीकम्युनिस्टढंगकीबनाईगईथी,
जिसकामुख्यउद्देश्यमजदूरोंऔरकिसानोंकासंगठनकरनाथातथाइसीउद्देश्यसेइससभानेभारतकेयुवकोंकाआह्वानकिया।इसप्रकारहम सरदारभगतसिंहकेराजनीतिकविचारोंमेंएकअद्भुतपरिवर्तनदेखतेहैं।नेशनलकॉलेजलाहौरमेंपढ़तेसमयभगतसिंहधीरे-धीरेपक्केसाम्यवादीबनगएऔररूसकोआदर्शकीदृष्टिसेदेखनेलगेथे।

हिंदुस्तानसमाजवादीप्रजातांत्रिकसंगठन:

1924 में 16 वर्षीयभगतसिंहनवस्थापित "हिंदुस्तानप्रजातांत्रिकसंगठन" सेजुड़ेजिसकाउद्देश्यसशस्त्रसंघर्षकेजरिएसाम्राज्यवादीशासनकाखात्माकरनाथा।इससंस्थाकानामकरणश्रीरामप्रसादबिस्मिल,श्रीशचींद्रनाथसान्यालऔरश्रीयोगेशचटर्जीजैसेविख्यातविप्लववादियोंकाकियाहुआथा। 1927 तकहिंदुस्तानप्रजातांत्रिकसंगठनकेबहुतसारेनेतागिरफ्तारकरलिएगएऔरअनेकफांसीपरलटकादिएगए।इससमयक्रांतिकारीदलमरणासन्नअवस्थामेंथा।उसकेबादनेतृत्वकीजिम्मेदारीचंद्रशेखरआजादऔरकुछबेहदप्रतिभाशालीयुवाओंपरआगईजिनमेंएकभगतसिंहभीथे। जेभगतसिंहऔरविजयकुमारसिंहदेशमेंभ्रमणकरनेलगेऔरसभाएंकरनेलगे।

1928 केअंततकभगतसिंहऔरउनकेसाथियोंनेसमाजवादकोअपनालक्ष्यस्वीकारकरलियातथाभगतसिंहनेयहप्रस्तावभीपेशकियाकिदलकानाम "हिंदुस्तानसमाजवादीप्रजातांत्रिकसंगठन" रखदियाजाए।समाजवादकोउन्होंनेमार्क्सवादऔरसोवियतयूनियनकेअनुभवोंपररचितपुस्तकोंकेअध्ययनकेजरिएएकअवधारणाकेरूपमेंस्वीकारकियाथा।संस्थाकोआगेचलकरदोदलोंमेंविभक्तकरदियागयाएकदलमेंतोसंस्थाकेवास्तविककार्यकर्तारहेऔरदूसरेदलमेंवेलोगरहेजोवास्तविककार्यनहींकरसकतेथेकिंतुसंस्थाकेप्रतिसच्चीसहानुभूतिरखतेथे।कार्यकर्ताओंकेदलकाकार्यअस्त्रशस्त्रकासंग्रहकरना,त्रासवादीप्रस्तावोंकोकार्यरूपमेंपरिणतकरनाऔरदलकीकार्यवाहीकोसार्वजनिककार्यवाहीकेरूपमेंउन्नतकरनेकीचेष्टाकरनाथातथादलकानामहिंदुस्तानसोशलिस्टरिपब्लिकएसोसिएशनरखदियागया।

दूसरेदलकाकामव्यक्तिगततथासार्वजनिकचंदेसेधनइकट्ठाकरना,कार्यकर्तादलकेसदस्योंकेरहनेकाप्रबंधकरनाऔरप्रचारकार्यकरनाथा।साथहीएककेंद्रीयसमितिभीस्थापितकीगईजिसमेंयुक्तप्रांत,पंजाबऔरबिहारके सदस्यतथाराजपूतानाके सदस्यशामिलकिएगए।संस्थाकीसभामेंधार्मिकसांप्रदायिकताकेबहिष्कारकाभीप्रस्तावकियागयाथा,
[9-15]
जिसकेकारणसरदारभगतसिंहकोअपनेधर्मकीबाह्यस्वरूपलंबेबालोंकोकटवादेनेपड़ेऔरदाढ़ीभीबनवानीपड़ी।कार्यकर्ताओंकेविभागकेमुखियाचंद्रशेखरआजादथेजो ,"बड़ीवीरताकेसाथपुलिससेलड़ताहुएइलाहाबादकेअल्फ्रेडपार्कमेंशहीदहुएथे"।

भगतसिंहकीलेखनी:

भगतसिंह 7 भाषाओंकेविज्ञथे,जिन्होंनेसर्वाधिकलेखनकार्यहिंदीमें, उसकेबादपंजाबीऔरअंग्रेजीमेंकिया। 1924 में 17 वर्षकीआयुमेंहीभगतसिंहने "पंजाबकीभाषाऔरलिपिकीसमस्या" परलेखलिखा।उन्होंने "विश्वप्रेम" और "युवक" आदिलेखभीलिखें।सांप्रदायिकताकीविकरालसमस्याकोसंबोधितकरतेहुएउन्होंने "धर्मऔरहमारास्वतंत्रतासंग्राम",

"सांप्रदायिकदंगेऔरउनकाइलाज" आदिलेखलिखें।दलितसमस्याकोकेंद्रमेंरखकरउन्होंने "अछूतसमस्या" लेखलिखा।इलाहाबादकी "चांद" पत्रिकानेनवंबर 1928 में "फांसी" अंकनिकाला, जिसमें 50 केकरीबभारतीयक्रांतिकारियोंकासंक्षिप्तजीवनपरिचयदियागयाथा।इनमेंसेबहुतसेक्रांतिकारीगदरपार्टीसेसंबंधितहैजिनकेबारेमेंभगत सिंहनेपहले "किरती" पत्रिकामेंलिखाथा।

अपनेलेख "स्वाधीनताकेआंदोलनमेंपंजाबकापहलाउधार" मेंभगतसिंहनेबीसवींसदीकेआरंभमेंपंजाबमेंलालालाजपतऔरअजीतसिंहकेनेतृत्वमेंउठेकिसानआंदोलनकापरिचयदियाहै।भगतसिंहने "मैंनास्तिकक्योंहूं", "ड्रीमलैंडकीभूमिका", "राजनीतिककार्यक्रमकीरूपरेखा","क्रांतिकारियोंकेरेखाचित्र"," लालालाजपतरायऔरनौजवान"," नएनेताओंकेअलग-अलगविचार"," विद्यार्थीऔरराजनीति"," सत्याग्रहऔरहड़ताले","धर्मऔरहमारास्वतंत्रतासंग्राम"," एकशहीदकीजेलनोटबुक"," काकोरीकेवीरोंसेपरिचय"," काकोरीकेशहीदोंकेफांसीकेहालात" आदिलेखवपुस्तकेंभीलिखी।

सांडर्सहत्याकांड:

साइमनकमीशन 30 अक्टूबर 1928 कोलाहौरआनेवालाथाइसकमीशनकाबहिष्कारकरनेकेलिएएकभारीजुलूससंगठितकियागया।लेकिनब्रिटिशअधिकारियोंने 144 कीधाराघोषितकरदीऔरप्रदर्शनीकोरोकनेकेलिएपुलिसकोआज्ञादेदी।जुलूसऔरपुलिसमेंमुठभेड़होगई, जिसकेकारणलालालाजपतरायऔरअन्यनेकांग्रेसकार्यकर्ताओंपरपुलिसनेआक्रमणकरदिया।लाठीचार्जमेंघायललालाजीकि 17 नवंबरकोमृत्युहोगई।लालालाजपतरायकीशहादतकोराष्ट्रीयअपमानमानतेहुएसांडर्सकीहत्याद्वाराबदलालेनानिश्चितकियागया।

साइमनकमीशनकेबहिष्कारहेतुनिकालेगएजुलूसपरलाठीप्रहारकेलिएलाहौरकेपुलिसकेसीनियरसुपरिटेंडेंटमिस्टरस्कॉटऔर लालाजीपरआक्रमणकरनेकेसंबंधमेंपुलिसकेसहायकसुपरिटेंडेंटमिस्टरसांडर्सकोजिम्मेदारठहरायागया। 17 दिसंबर 1928 कीशामकोठीकपुलिसऑफिसकेसामनेमिस्टरसांडर्सकीहत्याकरदीगईऔरपर्चोपर "हिंदुस्तानसोशलिस्टरिपब्लिकनआर्मी" केनीचेमोटेमोटेअक्षरोंमें "सांडर्समारागयालालाजीकाबदलालियागया", लिखकरदीवारोंपरचिपकादिएगए।लालाजीकीमृत्युकाबदलालेनेकेलिएपुलिसवालोंपरआक्रमणकरनेकाक्रांतिकारियोंकाएकउद्देश्यतो सार्वजनिकआंदोलनकोहीहिंसाकीओरआकर्षितकरनाथाऔरदूसरीओरसंसारकोयहदिखलादेनाथाकिभारतलालाजीपरकिएगएआक्रम णकोसहननहींकरसकता।

साराषड्यंत्रबड़ीसावधानीसेरचागया।पहलेतीनयुवकोंनेविचारकियाकिपुलिसकेसाथप्राणकामोहत्यागकरघोरयुद्धकियाजाए। इसप्रकारप्राणत्यागकरकेवेयुवकोंकोक्रांतिकारीसंस्थाकीओरआकर्षितकरसकेंगे।किंतुयहषड्यंत्रअसफलरहाक्योंकिमिस्टरस्कॉटकेब दलेमिस्टरसांडर्सकीहत्याहोगई।दूसरापुलिसकेपीछानहींकरनेकेकारणक्रांतिकारीपुलिसकेसाथयुद्धभीनहींकरसके।सांडर्सहत्याकांड केबादलाहौरसेनिकलभागनेकेलिएसरदारभगतसिंहनेजोउपायसोचाथावहबहुतहीचतुर्तापूर्णऔरसाहसपूर्णथा।उन्होंनेएकसरकारीअफ सरकीतरहकपड़ेपहनेऔरखूबबड़ासाअपनानामरखा।पुलिसवालोंकीआंखोंमेंधूलझोंकनेकेलिएएकसुंदरयुवतीकोभीअपनेसाथलियाऔ रउसीसेंट्रलरेलवेस्टेशनपरफर्स्टक्लासकेडिब्बेमेंसवारहुएजहांकीखुफियापुलिसवालेमिस्टरसांडर्सकेहत्यारोंकापतालगानेकेलिएविशेष रूपसेनियुक्तकिएगएथे।श्रीराजगुरुसरदारभगतसिंहकेअर्दलीकीवेशभूषामेंउनकेसाथनिकले।श्रीचंद्रशेखरआजादनेमथुराकेतीर्थयात्रि योंकीएकटोलीतैयारकीजिसमेंकेवलबूढ़ेलोगथेऔरएकब्राह्मणपंडितकावेशधारणकरइसटोलीकेसाथसकुशललाहौरकेबाहरपहुंचगएथे। सांडर्सहत्याकांडकीसफलतानेक्रांतिकारियोंकीप्रतिष्ठाकोबहुतबड़ादिया।

असेंबलीमेंबमकांड:

दिल्लीमें 8 अप्रैल 1929 कोएकअपूर्वघटनाहुई।"हिंदुस्तानसोशलिस्टरिपब्लिकनएसोसिएशन" केदोसदस्यअसेंबलीभवनमेंघुसगएऔरसरकारीअफसरोंकीओरदोबमफेंके, भीषणधमाकेकेसाथदोनोंबमफटगएऔरसाराकमराधुएंसेभरगया।जिससमयअसेंबलीमेंबमफेंकागयाथा, वहबड़ामहत्वपूर्णअवसरथा।इससमयमुंबईमेंमजदूरआंदोलनजोरोंपरथा।उसकीसफलतासेसरकारभयभीतहोउठीथी।इसीआंदोलन कोरोकनेकेलिएसरकारएसेंबलीमेंएककानूनबनानाचाहतीथी।भगतसिंहकाविचारथाकिपार्टीकोऐसाकामकरनाचाहिएजिससे "हिंदुस्तानसोशलिस्टरिपब्लिकनएसोसिएशन"

केमजदूरएवंकिसानआंदोलनकेसाथसहानुभूतिकीबातसबकेसामनेप्रकटहो।इसकेलिएबटुकेश्वरदत्ततथाएकऔरअन्यआदमीबमलेकर लेजिसलेटिवअसेंबलीपरधावाबोलदें।

असेंबलीमेंबमफेंकनेकाउद्देश्य "ट्रेडडिस्प्यूटबिल" तथा "पब्लिकसेफ्टीबिल" केप्रतिजनआक्रोशकीअभिव्यक्तिकरनाथानाकीकिसीकोमारना।बमकोजानबूझकरकमजोरबनायागयाथाताकिबमकेधड़ाकेसेकेवलस रकारीबेंचोकोकुछहानिपहुंचेनाकिकांग्रेसीलीडरोंकाकोईनुकसानहो।भगतसिंहऔरबटुकेश्वरदत्तजीहीऐसेव्यक्तिथेजिन्होंनेदिल्लीकीअ दालतमेंपहलीबार "इंकलाबजिंदाबाद"," साम्राज्यवादकानाशहो"," जनताकेराज्यकीजयहो" आदिनारेलगाए।इससेपहलेकांग्रेसपार्टीयाक्रांतिकारीदोनोंहीआंदोलनोंमें "वंदेमातरम" कानाराहीसर्वप्रियथा।लेकिनइसकेबादवंदेमातरमकास्थानइंकलाबजिंदाबादनेलेलियाऔरदेशकेकोनेकोनेमेंहरवर्गकिआंदोलनमेंइंकला बजिंदाबादकानारासबसेलोकप्रियनाराबनगया, जिसकाश्रेयनिश्चितरूपसेभगतसिंहकीराजनीतिकसोचकोजाताहै।

भगतसिंहऔरदत्तजीनेस्वयंकोक्रांतिकारीदलकासदस्यघोषितकरदियाऔरअदालतमेंअपनेबयानद्वाराहिंदुस्तानियोंको, मजदूरोंतथाकिसानोंकोदृढ़संगठनस्थापितकरनेकोललकारा।शीघ्रही "नौजवानभारतसभा" नेजिसकेसंस्थापकस्वयंभगतसिंहथे, असेंबलीमेंबमकांडकीघटनाकेप्रचारकाकामअपनेहाथमेंलेलिया।शीघ्रहीहिंदुस्तानसोशलिस्टरिपब्लिकनएसोसिएशनकीकेंद्रीयसमिति कोआशातीतसफलतामिलीऔरसारीपार्टीकायशचारोंऔरफेलगया।इसबमकांडनेयुवकोंकेहृदयमेंस्थानपालियातथाउनमेंविचित्रजोशभ रदिया।

जेलमेंभूखहड़ताल:

असेंबलीबमकांडकेकैदियोंकोआजीवनकारावासकादंडदिएजानेकेबादसरदारभगतसिंहनेजेलमेंराजनैतिककैदियोंकीदशामें सुधारकरनेकेलिएभूखहड़तालकरनेकीघोषणाकरदीथी।
इसभूखहड़तालनेहीपहलीबारसभीराजनीतिकवर्गकीसाधारणदशाकेसुधारकीओरभारतकीजनताकाध्यानआकर्षितकिया।
राजनीतिककैदीकोअपनेजेलजीवनकासारासमयकालकोठरीमेंअकेलेहीबितानापड़ताथाजोकिसीमिलनसारव्यक्तिकेलिएभीषणदंडके समानथा। असेंबलीबमकांडकीसजापानेके 2 दिनबादतकभगतसिंहतथाबटुकेश्वरदत्तदिल्लीकीजेलमेंसाथसाथरहे। उसकेबादबटुकेश्वरदत्तजीको "लाहौरसेंट्रलजेल" तथाभगतसिंहको "मियांवाली" कीभयानककैदखानेमेंभेजदियागया।

राजनीतिकबंदियोंकेप्रतिसदव्यवहारकीमांगपेशकरतेहुएसरदारभगतसिंहनेअपनीमांगेउसीहदतकसीमितरखीजिनकीपूर्ति आसानीसेहोसकतीथी।
वेएकआदर्शवादीनेताकीभांतिकिसीप्रकारकीअसंभवअथवाऐसीमांगपेशकरनेकेपक्षमेंनहींथेजिसकीपूर्तिसंभवनाहो।
उनकीप्रमुखमांगेथीकि: राजनीतिकबंदियोंकोआपसमेंमिलनेझूलनेतथापठन-पाठनकीसुविधाएंदीजाए, उन्हेंअपेक्षाकृतअच्छाभोजनमिलनाचाहिए,
जिन्होंनेकिसीव्यक्तिगतस्वार्थकेवशीभूतहोकरनहींबल्किदेशकीउन्नतिकीपवित्रभावनासेप्रेरितहोकरइसमार्गकाअनुसरणकियाहै।

ब्रिटिशअधिकारियोंकोयहआशा न थीकिभूखहड़तालकामामलाइतनातूलपकड़जाएगा। उन्होंनेसोचाथाकिभगतसिंहभूखकीयंत्रणासेस्वयंभूखहड़तालकोतोड़देंगे। 13 जुलाई 1929 को "लाहौरकंस्पायरेसीकेस" केमुलजिमलोगोनेसरदारभगतसिंहतथाबटुकेश्वरदत्तसेसहानुभूतिप्रदर्शितकरनेकेलिएभूखहड़तालशुरूकरदी।
लेकिनकुछहीसमयमेंसारेदेशकाध्यानलाहौरकीइसभूखहड़तालकीओरखिंचगया। 28 जुलाईकोयतींद्रनाथदासकीभूखहड़तालसेअवस्थाबड़ीसोचनीयहोगईतबभगतसिंहतुरंतबार्सटलजेलभेजदिएगएताकिवेयतींद्रनाथदासप रभूखहड़तालखत्मकरनेकेलिएदबावडालसके। भगतसिंहकेकहनेपरदासजीनेभूखहड़तालखत्मकरदी।
भगतसिंहनेसरकारसेकहाकियतेंद्रनाथदासजीकोबिनाकिसीशर्तकेछोड़दे।
लेकिनसरकारनेइसशर्तकोनहींमानाजिसकेकारणभगतसिंह, श्रीदासतथाचारअन्यव्यक्तियोंनेपुनःभूखहड़तालप्रारंभकरदी।
उनकेइसकष्टकाकोईपरिणामनानिकलाऔरइसीबीचश्रीयतींद्रनाथदासजीकीमृत्युहोगई।

लाहौरकांसपिरेंसीकेस:

ब्रिटिशसरकारकोलाहौरलाहौरकांसपिरेंसीकेसबहुतमहंगापड़ाक्योंकिइसकेद्वाराभगतसिंहऔरउनकेसाथियोंनेअपनेसभीउ द्देश्यसिद्धकरलिएजिनकाब्रिटिशसरकारकोडरथा। भगतसिंहनेकेसलड़नेकेलिएस्वयं,

सुखदेवऔरविजयकुमारसिन्हातीनोंकीएकछोटीसीकमेटीबनाई। जिसकाउद्देश्यमुकदमेद्वाराअपनीपार्टीकिसिद्धांतों, कार्यप्रणालीकोबड़ीसफलतासेजनतातकपहुंचाकरपार्टीकिमहत्वकेप्रसारमेंसहायतापहुंचानाथा। लेकिनमुकदमेकीपेशी "लाहौरसेंट्रलजेल" कीचारदीवारीकेभीतरहोतीथीऔरदर्शकोंकोजेलकेअंदरआनेकीइजाजत न मिलनेकेकारणइनलोगोंनेसरकारसेदूसरीलड़ाईकरनेकीठानीक्योंकिजेलकेभीतरबहुतकमदर्शकआनेकेकारणयहबातभगतसिंहऔरउ नकेसाथियोंकेखिलाफपड़तीथी। आगेचलकरउनकीइसलड़ाईसेहारकरसरकारनेदर्शकोंकोमुकदमेमेंउपस्थितरहनेकीआज्ञादेदी। लाहौरसेंट्रलजेलमेंमुकदमेकीहररोजकीकार्यवाही "इंकलाबजिंदाबाद"," जनताकेराज्यकीजयहो", "साम्राज्यशाहीकानाशहो", केजोशीलेनारों व राष्ट्रगानसेशुरूहोतीथी।

इसमुकदमेकाप्रभावदर्शकोंपरयहपड़ाकिइसकेबादपंजाबमेंकमसेकमआधेदर्जनकांसपिरेंसीकेसहुए, जिससेयहसिद्धहोगयाकिउनमेंभागलेनेवालेनवयुवकलाहौरकांसपिरेंसीकेसद्वाराहीप्रभावितहुएथे।

इसमुकदमेकीविशेषतायहथीकिगवाह,मुजलिमऔरविशेषकरमुखबिरस्वयंहीजिरहकरतेथे।वेइसकेद्वाराअपनीपार्टीकिसिद्धांतों,खासखा सकामकरनेमेंउनकेउद्देश्यऔरसाहस, उनकीकार्यप्रणालीआदिकोजनतातकपहुंचायाकरतेथे। मुकदमेकीसुनवाईकेअवसरोंपरवेसदाजनताकोकोईनाकोईसंदेशदेतेथे। लेकिनएकदिनजयगोपालजोकिमुकदमेकामुखबिरथा, जबवहबयानदेनेकेलिएकटघरेमेंआयातोउसकाभावबढ़ाअपमानजनकथा।

उसनेअपनीमूंछमरोड़तेहुएमुजलिमोकोतानेकेकुछशब्दकहे।

इसपरजबसबमुजलिमशर्मकरशर्मकरचिल्लारहेथे,तबएकसबसेछोटेमुजलिमप्रेमदत्तनेअपनीचप्पलउतारकरउसकीओरफेंकी। परिणामस्वरूपअदालतकीकार्यवाहीतुरंतबंदकरदीगईऔरमुजलिमोंकोअदालतमेंहथकड़ीपहनाकरलाएजानेकानिर्देशदियागया। भगतसिंहऔरउसकेसाथियोंनेनिश्चयकियाकिचाहेजोहोजाएवेइसअन्यायकेसामनेसिरनहींझुकाएंगेऔरअदालतमेंतबतकनहींजाएंगेजब तकयहआदेशवापसनालेलियाजाए। पुलिसनेउन्हेंपीटनेमेंकोईकमीनहींछोड़ीलेकिनउन्हेंकोर्टमेंलानेमेंसफलनाहोसकी।

लाहौरकांसपिरेंसीकेसकीख्यातिअसाधारणरूपसेभारतहीनहींबल्किभारतकेबाहरभीफैलगई।भगतसिंहऔरउनकेसाथियोंने केसकोब्रिटिशन्यायकाखोखलापनदिखानेकाअच्छाअवसरसमझाऔरभगतसिंहनेप्रस्तावरखाकिवेअपनाविशुद्धक्रांतिकारीरुखअख्ति यारकरतेहुएअदालतकीपूर्णरूपसेअवहेलनाकरेंगे,

चाहेउन्हेंफांसीमिलेयाआजीवनकारावास।उन्होंनेइसमामलेमेंएकदमउदासीनभावग्रहणकरलियाऔरसरकारकीजोमर्जीहोउसेकरनेदि या।

जेलकेअधिकारियोंऔरपुलिसनेअपनेपहलेकेअनुभवकेबलपरकहदियाकिमुजलिमोंकोअदालतमेंलानाकिसीप्रकारसंभवनहीहैतोमुस्लि मोंकीअनुपस्थितिमेंहीमुकदमालियाजानेलगा।निश्चयहीइसकानवयुवकसमाजपरएकअच्छाप्रभावपड़ा।

फांसीकादिन:

विशेषअदालतकीओरसे 7 अक्टूबर 1930 कीसवेरेएकखासदूतसेंट्रलजेलआयाजिसनेबतायाकीसुखदेव, शिवरामराजगुरुतथाभगतसिंहकोप्राणदंडकीआज्ञादीगईहै।

फैसलाहोनेकेबादडिफेंसकमेटीनेप्रीवीकाउंसिलमेंइसकीअपीलकरनेकानिश्चयकिया।

इसअपीलकोकरनेकाप्रमुखउद्देश्यविदेशोंमेंभीअपनीपार्टीकिमतकाप्रचारप्रसारकरनाथा।

इसअपीलकेद्वाराभगतसिंहसभ्यसंसारकोदिखादेनाचाहतेथेकिभारतमेंराजनीतिककैदियोंकोकिसप्रकारकेअमानुष्यअत्याचारोंकासाम नाकरनापड़ताहै। इसनिर्णयपरसरदारभगतसिंह,श्रीविजयकुमारसिन्हाकेपरामर्शसेप्रभावितहोकरहीपहुंचेथे, जिनकीराजनीतिकसोचकेसभीकायलथे

।श्रीसिन्हाकापरामर्शथाकिइनफांसियोकोतबतककेलिएस्थगितकरादेनाचाहिएजबतककिजनतामेंभरपूरजोशनाफैलजाए।

भगतसिंहअपनीशहादतसेजनताकोजगानाचाहतेथे। वेअपनेजीवनकेबारेमेंऔरमृत्युकेबारेमेंभीऐसीस्पष्टसमझरखतेथेजैसीभारततोक्या पूरीदुनियामेंविरलहै।

"इन्हींबिगड़ेदिमागोंमेंघनीखुशियोंकेलच्छेहैं, हमेंपागलहीरहनेदोकिहमपागलहीअच्छेहैं"

भारतीयजनताकेकरोड़ोंलोगोंकीभावनाओंकोचलतेहुएब्रिटिशऔपनिवेशिकसरकारनेइनयुवाक्रांतिकारियोंको(सरदारभगत सिंह, श्रीशिवरामराजगुरुतथासुखदेव) चुपचापकोसोमवार 23 मार्चकोहीशाम 7:23

| ISSN: 2395-7852 | www.ijarasem.com | Impact Factor: 6.551 |Bimonthly, Peer Reviewed & Referred Journal|

| Volume 10, Issue 4, July 2023 |

परलाहौरकेसेंट्रलजेलमेंफांसीपरलटकादियागयाथा। फांसीसेपहलेभगतसिंहजबपढ़रहेथे, वार्डनचढ़तसिंहनेआकररोते-रोतेकहा ,"भगतसिंहआखरीवक्तमेंवाहेगुरुकानामलेलो"। भगतसिंहनेप्यारसेहंसकरकहाकि,"विचारोंसेमैंनास्तिकहूं, अपनेविचारोंकीस्वतंत्रताकेकारणफांसीपरचढ़रहाहूं।
मरतेवक्तअपनेसिद्धांतोंसेहीहटजाऊंगातोमेरीक्याप्रतिष्ठारहेगीलेकिनआपकीभावनाकीमैंकद्रकरताहूं,"।

आखरीइच्छाकेरूपमेंउन्होंने "बेबे" यानीजेलकीएकदलितकर्मचारी "बोघा" केहाथकीबनीरोटीखानीस्वीकारकी।फिरतैयारहोकरलेनिनसंबंधीपुस्तकपढ़तेरहे। 6:00 बजेकेकरीबउन्हेंलेजानेआएजेलवार्डनसेउन्होंनेकहा ,"जराइंतजारकरोएकक्रांतिकारीकोदूसरेक्रांतिकारीसेमिलनेदो"। उसकेबादकुछमिनटोंमेंपुस्तककाअध्यायसमाप्तकियाऔरचलनेकेलिएउठखड़ेहुए। दूसरीकोठरियोंसेसुखदेवऔरराजगुरुनिकले। गलेमेंबाहेंडालतीनोंयुवा "रंगदेबसंतीचोलामेरारंगदेबसंतीचोला" गातेहुएफांसीघाटकीओरबढ़चले। फांसीघाटपरभीराजगुरुफांसीचढ़नेकेलिएसबसेउतावलाथा।

फांसीपरचढ़नेकेलिएभगतसिंहकोजबमुंहढकनेकोकालाकपड़ादियागया, तोउसनेउसेफेंकदियाऔरशीशऊंचाउठाएफांसीकाफंदागलेमेंपहनकरझूलगया। फांसीपरचढ़नेके 15 मिनटपहलेसेलेकरउसकेबादतकजेलसे "इंकलाबजिंदाबाद" केनारेसुनाईदेरहेथे। जेलदरवाजेपरबढ़तीभीड़सेघबराकरजेलप्रशासननेतीनोंशवोंकोजल्दबाजीमेंकाटकाटकरबोरोंमेंभरकरजेलकेपिछलेदरवाजेसेबाहरख ड़ेट्रकमेंचढ़ाकरकसूरकीतरफभेजदिया। उधरफिरोजपुरशहरसेपुलिसनेएकपंडितकोउठायाऔरकुछलकड़ियां व केरोसिनखरीदकरगंडासिंहवालागांवकेपासजंगलमेंलाशोंकोजल्दीसेबिनारस्मेंपूरीकिएजलादिया।अधजलीलाशोंकोछोड़करजनताके आ जानेकीवजहसेपुलिस व जेलकर्मचारीवहांसेभागगए। जनतानेउसजगहकोखोदकरअधजलीहड्डियोंकोएकत्रकरजनसमूहने 24 मार्चकीसुबहलाहौरमेंअस्थिअवशेषोंकोलेकररावीनदीकेतटपरविशालजुलूसकेसामनेससम्मानउनकाअंतिमसंस्कारकिया। भगतसिंहजीवितरहनेकीअपेक्षाफांसीपरचढ़करहीअपनेदल,अपनेदेशऔरअपनेसमाजकाअधिककल्याणकरनाचाहतेथे। ब्रिटिशउपनिवेशवादकेलिएजिंदाभगतसिंहसेअधिकखतरनाकअमरभगतसिंहहोगएथे।

निष्कर्ष:

साम्राज्यवादऔरउपनिवेशवादकेखिलाफभगतसिंहसर्वाधिकजुझारूराष्ट्रीयआंदोलनकेप्रतीकबनकरउभरे।वेभारतीयक्रांति कारीआंदोलनकेसर्वोच्चआदर्शकेप्रतिनिधिभीहैंतथासभीक्रांतिकारीआंदोलनकेप्रतीकभी।
भगतसिंहकोजनआंदोलनमेंक्रांतिकारीराजनीतिकेसबसेमहाननायककेरूपमेंयादकियाजाताहै।
आजभारतकोएकनहींकईभगतसिंहचाहिएक्योंकिवहसाम्राज्यवादकासबसेबड़ादुश्मनथा।
आजपांवपसाररहेअमेरिकीसाम्राज्यवादकासशक्तप्रतिरोधअगरकोईकरसकताहैतोवहभगतसिंहहीकरसकतेहैं।
लैटिनअमेरिकामेंगैचवेरासाम्राज्यवादविरोधकेसबसेबड़ेप्रतीकहैंतोभारतमेंइसलड़ाईमेंभगतसिंहसेबड़ाराष्ट्रवादीप्रतीकऔरकोईनहींहो सकता।

भगतसिंहसिर्फअंग्रेजोंसेआजादीनहींबल्किसामाजिकव्यवस्थामेअमूलचूकढंगसेबदलनेवालीक्रांतिचाहतेथे।
अंग्रेजसरकारकोभगतसिंहकीक्षमताकाअंदाजाथाइसीलिएउन्होंनेउन्हेंफांसीपरलटकाकरभारतसेएकबहुतबड़ाक्रांतिकारीछीनलिया।
अंग्रेजोंनेभगतसिंहकोबर्बरयातनाएंभीदीलेकिनवेउनकीभावनाओंकोनहींकुचलसके।
अपनेगगनचुंबीव्यक्तित्वसेउन्होंनेब्रिटिशउपनिवेशवादीताकतकोहिलाकररखदियाथा।
आजकीयुवापीढ़ीभगतसिंहजैसेयुवाहृदयसम्राटकोवैचारिकरूपसेआत्मसातकरकेविषैलेसांप्रदायिक व उत्पीड़नकेंद्रितवर्चस्ववादीविचारोंसेअपनेमस्तिष्कऔरसमाजकोमुक्तकरकेदेशप्रेमकीभावनासेअपनावैचारिकविकासकरकेदेशकाभ विष्यतयकरनेमेंअपनीसकारात्मकभूमिकानिभासकतीहै।

बिपिनचंद्रनेठीकहीकहाहैकि
"भारतकीजनताकेलिएयहबहुतबड़ीत्रासदीहैकिएकमहानमस्तिष्ककोउपनिवेशवादीताकतोंनेअसमयहीसुलादिया"।
हमाराफर्जहैकिहमअपनेशहीदोंऔरउनकीशहादतकोयादकरजिंदारखें।[15-16]

| ISSN: 2395-7852 | www.ijarasem.com | Impact Factor: 6.551 |Bimonthly, Peer Reviewed & Referred Journal|

| Volume 10, Issue 4, July 2023 |

संदर्भग्रंथ:

1. भगतसिंहकीजेलडायरी, वेदस्वरूपनीरज/ ज्ञानकौरकपूर, राजपब्लिशिंगहाउस, जयपुर
2. भगतसिंह, चमनलाल, मेधाबुक्स, नवीनशाहदरा, दिल्ली
3. अमरशहीदभगतसिंह, सरस्वतीपुस्तकएजेंसी, कोलकाता (जब्त) 1931
4. अमरशहीदसरदारभगतसिंह, जितेंद्रनाथसान्याल, नेशनलबुकट्रस्ट, इंडिया
5. भगतसिंह: दुर्गाभाभीस्मारिका, शहीदस्मारक, लखनऊ, 2007
6. उज्जवलध्रुवतारा, जी. पी. मिश्रा, इलाहाबाद,जुलाईसेसितंबर 2007
7. चांद (फांसीअंक), नवंबर 1928 (जब्त)
8. भगतसिंहकीवीरता (काव्य), सरस्वतीपुस्तकएजेंसी, कोलकाता (जब्त) 1931
9. क्रांतिकापुजारी,मोहनलालअरमान, कानपुर,(जब्त) 1931
10. क्रांतिकारीभगतसिंहसुरेश, हिंदपॉकेटबुक्स, दिल्ली
11. भगतसिंह: व्यक्तित्वऔरविचार, नरेशसूरी /रागिनीमिश्रा
12. तीनक्रांतिकारीशहीद: शहीदभगतसिंह, आर. एल. बंसल,भारतीभवन, आगरा 1962
13. क्रांतिवीरभगतसिंह,लालबहादुरसिंहचौहान, आत्मारामएंडसंस,दिल्ली 2006
14. अमरशहीदोंकेसंस्मरण, राजारामशास्त्री, साधना, कानपुर 1961
15. शहीद ए आजमभगतसिंह, सुरेशचंद्रश्रीवास्तव, साधना, दिल्ली 2005
16. शहीदभगतसिंह: क्रांतिकासाक्ष्य, ले. सुधीरविद्यार्थी, राजकमल 1909

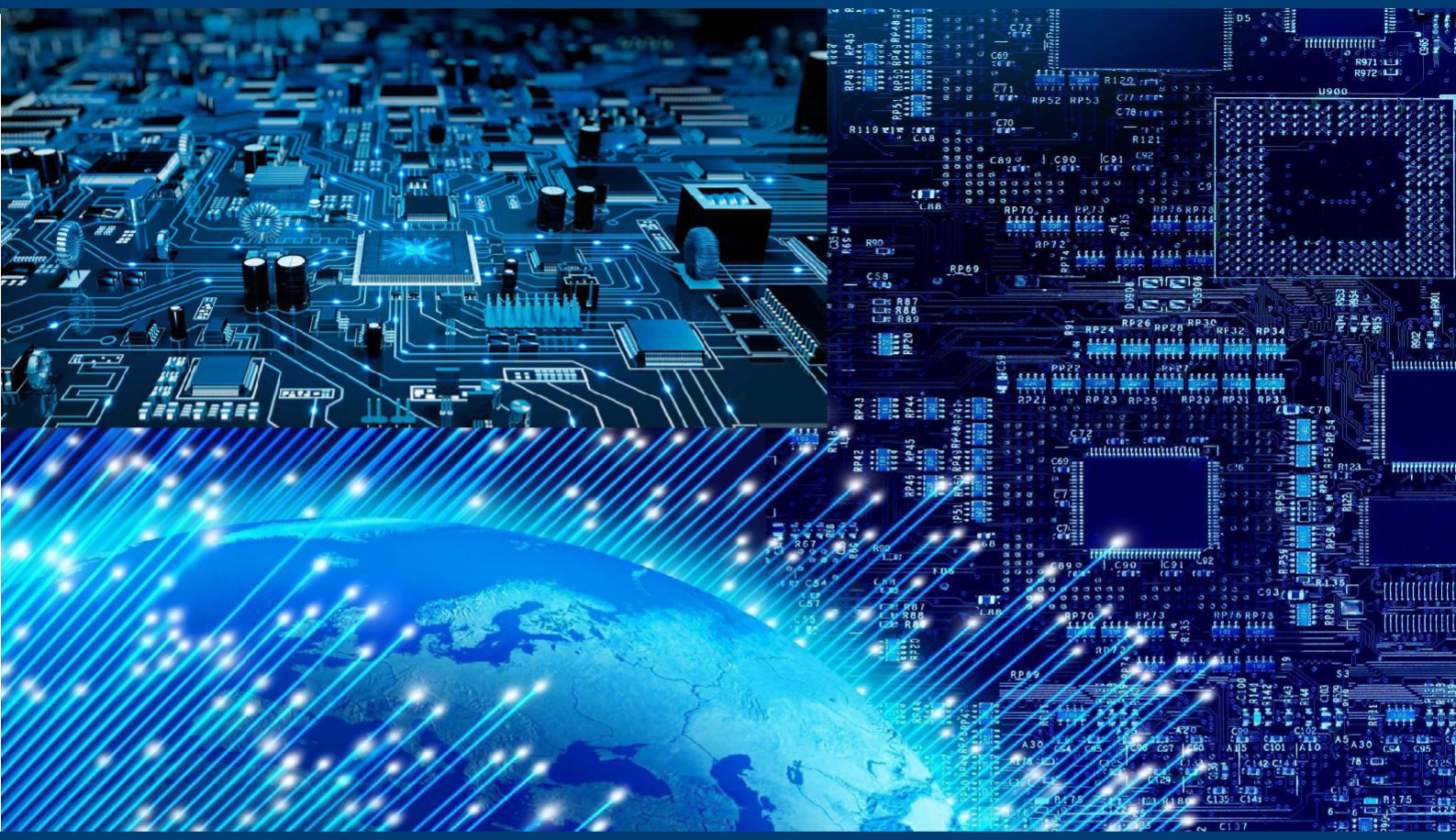

International Journal of Advanced Research in Arts, Science, Engineering & Management (IJARASEM)

| Mobile No: +91-9940572462 | Whatsapp: +91-9940572462 | ijarasem@gmail.com |